

## रानी दुर्गावती

हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार ने 16वीं शताब्दी की रानी दुर्गावती, जिन्होंने मुगलों से युद्ध लड़ा था, के जीवन और वरिषत को याद करने के लिये रानी दुर्गावती गौरव यात्रा नामक छह दविसीय रैली का शुभारंभ कया।

### रानी दुर्गावती:

#### परचिय:

- वर्ष 1524 में महोबा के चंदेल राजवंश (वर्तमान में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश की सीमा के पास) में जन्मी रानी दुर्गावती भारत की स्वाधीनता की प्रतीक थी।
  - चंदेलों को 11वीं शताब्दी में परसदिध खजुराहो मंदिरों के नरिमाण के लिये जाना जाता था।
- दुर्गावती का ववियाह गोंड राजा संग्राम शाह के बेटे दलपत शाह से हुआ और वर्ष 1550 में पतकी मृत्यु के बाद उन्होंने बड़ी बहादुरी और साहस के साथ गढ़-कटंगा राज्य पर शासन कया।
  - गढ़-कटंगा साम्राज्य में नर्मदा घाटी का क्षेत्र और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हसिसे शामिल थे।
  - गोंड जनजाति मध्य भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक वरिषत और दृढ़ता के लिये जानी जाती है।
- सरकार के अभलिखों के अनुसार, रानी ने 16 वर्षों तक राजकीय कार्यभार संभाला।



#### गढ़-कटंगा पर मुगल आक्रमण:

- गढ़-कटंगा की बहादुर रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी के मध्य में मुगल साम्राज्य के वसितार का वरिष कया।
- रानी दुर्गावती ने अकबर के सेनापति आसफ खान और पड़ोसी मालवा के सुलतान बाज बहादुर के वरिद्ध लड़ाई में मजबूत नेतृत्व का प्रदर्शन कया। प्रारंभ में अपने राज्य पर आसफ खान के हमले के वरिद्ध लड़ाई में जीत हासलि की।

- हालाँकि बाद में मुगलों ने फरि से संगठित होकर उनकी सेना पर वजिय प्राप्त कर ली, जबकि रानी दुर्गावती ने आत्मसमर्पण करने के बजाय अपने प्राण त्यागने का नरिणय लयिा ।

■ वरिसत और पहचान:

- एक देशभक्त शासक के रूप में प्रतषिठति वह **भारत की स्वाधीनता की प्रतीक** थीं ।
- अकबर के दरबारी इतहिसकार अबुल फज़ल ने उन्हें **सुंदरता, अनुग्रह, साहस और बहादुरी** के संयोजन के रूप में वर्णति कयिा है ।
- उन्हें बलदिान एवं संस्कृतिके रक्षक के रूप में याद कयिा जाता है ।

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/rani-durgavati>

